(ख) यदि हां, तो इसका तथा उस प्रश्न का, जिस पर इस संबंध में विचार किया गया था, ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो परिणाम का पता लगने में और कितना समय लगने की सम्भावना है ?

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शेर सिंह) : (क) जी, हां।

(ख) इस अभिसमय के संशोधित पाठ की जांच की जा रही है। भारत के हित की महत्वपूर्ण व्यवस्थाएं विकासशील देशों संबंधी पूर्वलेख (प्रोटोकाल) से संबंधित हैं, जिसकी प्रतियां संसद्-पुस्तकालय में उपलब्ध हैं। पूर्वलेख की एक प्रति सभापटल पर भी रख दी गई है।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

Assistants in the Central Secretariat Services

***1684. Shri P. L. Barupal:** Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to state:

(a) the number of Assistants who have put in more than 20 years service in the Assistant's grade;

(b) whether it is a fact that there is stagnation in this grade and there is no chance of promotion for the old Assistants;

(c) whether it is also a fact that the Committee of Joint Secretaries have not taken any decision about their seniority and promotion during the last 17 months; and

(d) if so, the steps taken by Government to remove the genuine hardship of the old Assistants?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Vidya Charan Shukla): (a) to (d). Figure regarding the number of Assistants of the C.S.S. who have put in more than 20 years' service in the grade of Assistant are not readily available. According to the information collected in 1965, however, there were about 1,559 Assistants who had rendered 15 years of service or more in the Assistants' grade of the C.S.S. Originally the C.S.S. Scheme had prescribed direct recruitment to 50 per cent. of the permanent vacancies in the grade of Assistant Superintendent (Section Officer—Grade III) and the remaining vacancies were to be filled by the promotion of Assistants (i) on the basis of seniority and, (ii) through the Section Officer's Grade limited competitive examinations held by the U.P.S.C. With a view to improving the prospects of promotion of the Assistants, since October, 1962, the direct recruitment quota in the Section Officers' grade had been reduced from 50 per cent. to 25 per cent. for a period of 5 years and to 33⅓ per cent. thereafter. According to information collected in 1965, out of about 5.500 Assistants in the Central Secretariat Service, only about 64 had reached the maximum of their pay scale. It cannot, therefore, be said that there is great stagnation in this sense.

2. In any case, this question is one among various items referred for consideration of the Co-ordinating Committee in the M.H.A. While the Committee has submitted its first report covering matters already considered by it, this particular item is currently under consideration and its recommendations thereon are expected shortly.

दरियागंज, दिल्ली में मकान का गिरना

***1685. श्री राम सिंह अयरवाल**
श्री ओ० प्रा० त्यागी :
श्री राम गोपाल शालवाले :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री अर्जुन सिंह भदौरिया :
श्री मधु लिमये :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दरियागंज, दिल्ली में 4 जुलाई, 1967 को एक मकान के

गिरने से एक व्यक्ति मर गया था और अन्य तीन व्यक्ति घायल हो गये थे;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने दिल्ली में ऐसे खराब हालात वाले मकानों के बारे में कोई सर्वेक्षण किया है; और

(ग) इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की गई है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : (क) 4-7-1967 को दरियागंज, दिल्ली में दो घटनाएं हुई। एक घटना में एक छत की दीवार का छोटा सा भाग एक बहुत पुराने टीन की छत वाले लकड़ी के खोके पर गिर पड़ा और दो व्यक्ति घायल हो गये। इस दीवार की हालत कोई खराब नहीं दीखती थी। दूसरी घटना में गोलचा सिनेमा के ऊपर के बाहर निकले हुए हिस्से के नीचे का एक छोटा सा सजावटी भाग गिर पड़ा जिससे दो व्यक्ति घायल हो गये।

(ख) जी, हां। दिल्ली नगर निगम द्वारा सर्वेक्षण कराया गया है।

(ग) 3,498 मरम्मत के काबिल और 607 खतरनाक मकानों को नोटिस दिये गये हैं। 542 मकानों के बारे में उन्हें गिराने के लिये कार्यवाही की गई है। शेष मामलों में नोटिस की अवधि समाप्त होने के बाद कार्यवाही की जायेगी।

केन्द्रीय विश्वविद्यालयों को अनुदान

1686. **श्री बलराज मधोक :**
श्री राम गोपाल शालवाले :
श्री ओ० प्र० त्यागी :

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत पांच वर्षों में केन्द्रीय सरकार के अधीन दिल्ली विश्वविद्यालय, अलीगढ़ विश्वविद्यालय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, जामिया मिलिया विश्वविद्यालय, और विश्वभारतीय विश्वविद्यालय प्रति वर्ष प्रति विद्यार्थी को कितना अनुदान दिया गया है; और

(ख) इनमें से प्रत्येक विश्वविद्यालय में इस समय अध्यापक-विद्यार्थी का क्या अनुपात है ?

शिक्षा मंत्री (डा० त्रिगुण सेन) : (क) और (ख). सूचना एकत्र की जा रही है और यथा समय सभा पटल पर रख दी जायेगी।

पूर्वी पाकिस्तान से आये हुए शरणार्थियों के लिये कोटा में तम्बुओं की व्यवस्था

*1687. **श्री ओंकार लाल बेरवा :**
श्री टी० पी० शाह :
श्री भारत सिंह चौहान :
श्री ज्योतिर्मय बसु :

क्या **श्रम तथा पुनर्वास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि केन्द्रीय सरकार ने पूर्वी पाकिस्तान से आये हुए शरणार्थियों को बसाने के लिये कोटा (राजस्थान) में एक हजार तम्बुओं के लिये राजस्थान सरकार के माध्यम से धन दिया था;

(ख) यदि हां, तो ये तम्बू कहां कहां पर गाड़े गये थे और इनमें से कितने तम्बू इस समय कोटा के कलेक्टर के पास हैं; और

(ग) इसके लिये कितना धन मंजूर किया गया था ?

श्रम, रोजगार तथा पुनर्वास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ल० ना० मिश्र) : (क) से (ग). पूर्वी पाकिस्तान से आये विस्थापित व्यक्तियों को राजस्थान राज्य के सहायता शिविरों में अस्थायी आवास देने के लिये 1,000 तम्बू 1'10,250 रुपये की कुल लागत से जिसमें भाड़े का खर्च भी शामिल है, खरीद किये गये थे। ये तम्बू कलेक्टर (पुनर्वास) कोटा ने वसूल किये थे। इन 1,000 तम्बुओं